o'k% 1 vad % 1 vxLr] 2006

lEikndh dye ls

गढ़वाल विकास केन्द्र पिछले 12 वर्षों से ग्रामस्तरीय संगठनों के माध्यम से विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों में सक्रिय है। अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान ने लंबे समय तक जलागम प्रबंध के सभी घटकों पर कार्य करने का अनुभव दुगड्डा जलागम क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध हुआ।

दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र टिहरी जिले के जौनपुर ब्लॉक में भद्री नदी के जलग्रहण क्षेत्र में अवस्थित है। यह क्षेत्र ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड से 62 किमी0 तथा जिला मुख्यालय, टिहरी गढ़वाल से 118 किमी0 की दूरी पर स्थित है। दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र तीन ग्राम पंचायतों मौगी, मसोन और कोटी के अर्न्तगत पॉच राजस्व गांव मौगी, मगधिया, मसोन, सणव तथा चन्दाण गाँव के बीच स्थित है। उपर्युक्त सभी गांव मुख्य सडक से 0.5 किमी0 से 2 किमी0 की दूरी पर स्थित है। दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 644.64 हेक्टेयर है जिसमें से 564.80 हेक्टेयर पर कार्य किया जा रहा है। दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र 78°2'20" पश्चिम से -78°4'6" पूर्व देशान्तर व 30°32'48" उत्तर से - 30°34'48" दक्षिण अक्षान्तर के बीच स्थित है। दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र समुद्रतल से 1100 मी0 से 1850 मी0 की ऊंचाई पर स्थित है। दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र का औसतन ढाल 36 प्रतिशत है इस क्षेत्र में वर्षभर 1842 मिमी. वर्षा होती है जिसंमें से 75 प्रतिशत वर्षा सिर्फ मानसून में होती है। दुगड्डा खड्ड जलागम क्षेत्र का तापमान अधिकतम 36°C गर्मियों में तथा न्यूनतम 0°C सर्दियों में होता है।

सर रतन टाटा ट्रस्ट के आर्थिक सहयोग से संचालित जलागम परियोजना के अंतर्गत संपादित गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण जलागम समाचार के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। हमारा विश्वास है कि यह पत्र जलागम क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की दिशा में सूचनाओं के आदान–प्रदान का एक सशक्त माध्यम साबित होगा।

dEikLV@oehl dEikLV : कृषि उत्पादन में वृद्धि व उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादों की पैदावार को बढ़ाने के उदे्श्य से कम्पोस्ट व वर्मी कम्पोस्ट खाद निर्माण के लिए दो कम्पोस्ट पिट की प्रर्दशन यूनिट ग्राम मगधिया व ग्राम सणब तल्ला में स्थापित की गयी।

xke fodkl lfefr;ksa dk xBu : जलागम क्षेत्र के चार गाँवों में ग्राम विकास समितियों का गठन किया गया। ग्राम विकास समिति के पदाधिकारियों का चयन सभी वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए किया गया।

tykxe fodkl lfefr dk xBu : ग्राम विकास समिति के गठन की प्रक्रिया में सभी गाँवों से जलागम विकास समिति के लिये दो–दो सदस्यों का चयन कर। नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

lCth mRiknu : समुदाय को बेमौसमी सब्जी उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण श्री रमेश चंद्र शर्मा,सहायक उद्यान विकास अधिकारी ने दिया। जिसमें 25 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

lans'k ;k=k : जलागम प्रबन्ध में समुदाय की समझ बढाने हेतु संदेश यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में 54 पुरूष व 54 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ik/k'kkyk izf'k{k.k% ग्राम मसोन व सणब मल्ला में पौधशाला का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जलागम क्षेत्र के 17 ग्रामीणों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

xfo;u fuekZ.k izf'k{k.k : हिमांचल प्रदेश की संस्था सोसल एवरनेस थ्रो हयुमन इन्वोल्वमेंट (साथी) में गेवियन

निर्माण व भौतिक कार्यो का आंकलन प्रशिक्षण में दो प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

y[kk if'k{k.k : ग्राम विकास समिति व जलागम विकास समिति के सदस्यों हेतु दो दिवसीय लेखा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में समितियों के 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया

e'k:e if'k{k.k: मशरूम प्रशिक्षण में परियोजना क्षेत्र के 10 ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया।

tkgM fuek.k : वर्षा जल संग्रहण हेतु 7 जोहड़ों का निर्माण किया गया।

xy fuek.k : ग्राम मसोन मे 103 मी0 पक्की गूल का निर्माण किया गया। जिससे एक हक्टेयर सिंचित कृषि क्षेत्र में वृद्धि हुई।

ikbi ykbu : परियोजना क्षेत्र के 4 गांवों में 1880 मीटर पाईप लाइन का सिंचाई हेतु निर्माण किया गया।, जिसमें 116 परिवार लाभान्वित हुए तथा 1.74 कृषि क्षेत्र, सिंचित कृषि क्षेत्र में परिवर्तित हुआ।

flpkbZ Vd : परियोजना क्षेत्र के सणब तल्ला व सणब मल्ला में जिससे 46800 लीटर क्षमता वाले 2 सिंचाई टैंकों का निर्माण किया गया। जिससे 0.68 हे0 असिंचित कृषि क्षेत्र को सिंचित कृषि क्षेत्र में बदलाव हुआ।

Ik'kq i; ty pjkbZ : ग्राम मसोन में पशुओं को जंगल में पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2 पशु पेयजल चराईयों का निर्माण किया गया है, जिससे 14 परिवारों के 266 पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध हुआ।

df"k in'kZu i{k= % कृषि उत्पादन को बढ़ाकर परिवार स्तर पर आय वृद्धि को बढ़ावा देने के उद्‌देश्य से दो कृषि प्रदर्शन प्रक्षेत्रों की स्थापना।

Lo;a lgk;rk lewg : जलागम क्षेत्र के सभी गाँवों में 7 स्वयं सहायता समूहों में 98 सदस्य समूहों का संचालन कर रहे है। सभी समूहों के द्वारा बैंक में बचत खाते खोले जा चुके हैं।

efgyk eaxy ny : जलागम क्षेत्र में सभी गाँवों में 4 महिला मंगल दल है। जिसमें 127 सदस्य सक्रिय रूप से सामुदायिक विकास में योगदान कर रहे है।

---

laiknd % ijsUnz ldykuh
lg;ksx % fnus'k ukSfV;ky] ';ke ir.ki
e`Uuh noh] johUnz pkSgku

गढ़वाल विकास केन्द्र
GARHWAL VIKAS KENDRA

पो0 बॉक्स सुमन क्यारी, नैनबाग,
जिला टिहरी गढ़वाल – 249 186
फोन : 01376–228420, 9411187535